

इसरो भू-मंडल-जीवमंडल कार्यक्रम (IGBP) कार्यशाला एवं महासागर कलर विचार-मंथन सत्र

केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, मंडपम, तमिलनाडु

IGBP Workshop & Ocean Colour Brainstorming Session

CMFRI, Regional Centre, Mandapam, Tamil Nadu

12-13 फरवरी February 2026

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय सुदूर संवदेन केंद्र (NRSC) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (ICAR-CMFRI) के सहयोग से 12-13 फरवरी 2026 को तमिलनाडु के मंडपम स्थित CMFRI क्षेत्रीय केंद्र में "IGBP-CCD परियोजना समीक्षा और महासागर रंग (कलर) पर मंथन सत्र" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें भारत भर से लगभग 40 प्रमुख समुद्री वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विद्वान महासागर रंग (कलर) सुदूर संवदेन अनुप्रयोगों और तटीय कार्बन गतिशीलता अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आए, जो समुद्री पारिस्थितिक तंत्र, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और संधारणीय तटीय प्रबंधन को समझने के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

The National Remote Sensing Centre (NRSC), Indian Space Research Organisation (ISRO), in collaboration with the Indian Council of Agricultural Research – Central Marine Fisheries Research Institute (ICAR-CMFRI), hosted a two-day national workshop on "IGBP-CCD Project Review and Ocean Colour Brainstorming Session" at CMFRI Regional Centre, Mandapam, Tamil Nadu, on 12–13 February 2026, bringing together around 40 leading marine scientists, researchers, and scholars from across India to advance ocean colour remote sensing applications and coastal carbon dynamics research, which are critical areas for understanding marine ecosystems, climate change impacts, and sustainable coastal management.

विशिष्ट नेतृत्व एवं भागीदारी

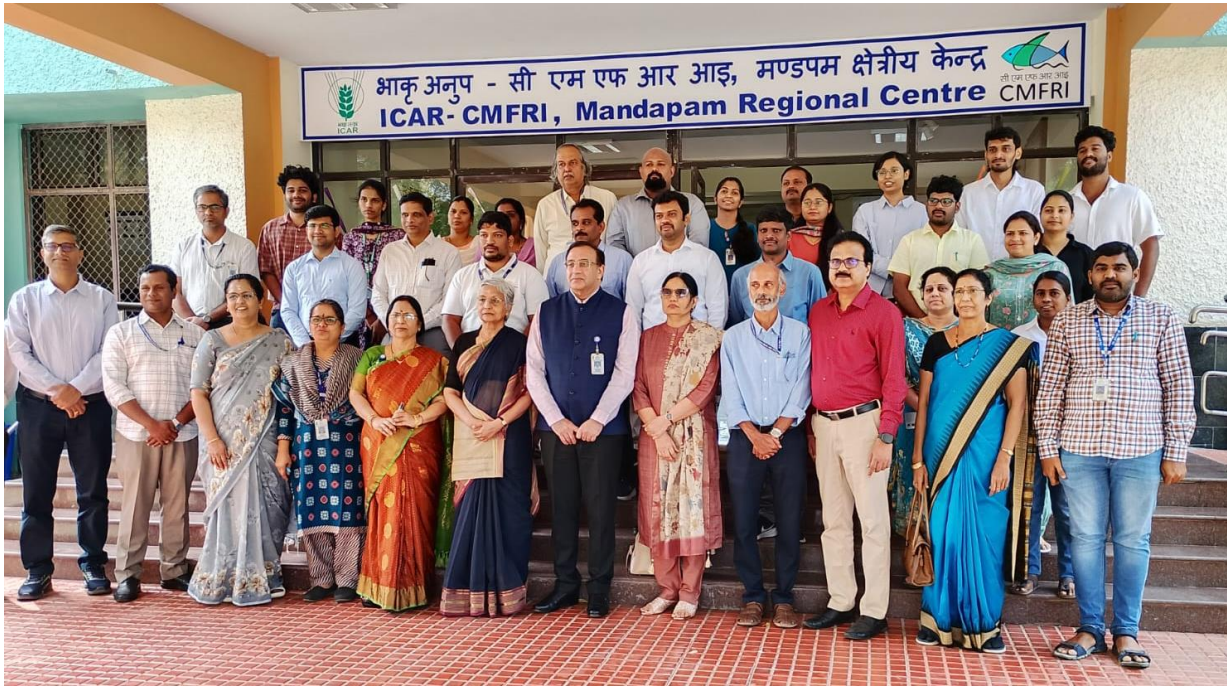
Distinguished Leadership and Participation

इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय महासागर रंग समन्वय समूह (IOCCG) की अध्यक्ष और ब्रिटेन की प्लायमाउथ समुद्री प्रयोगशाला की प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. शुभा सत्येंद्रनाथ ने शिरकत की, जिनके मार्गदर्शन ने भविष्य के अनुसंधान की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. प्रकाश चौहान, निदेशक, NRSC एवं डॉ. एन. अपर्णा, उप निदेशक, NRSC, डॉ. जे. जयशंकर, प्रधान, FRAEED, CMFRI, मंडपम क्षेत्रीय केंद्र के प्रमुख डॉ. के. विनोद, डॉ. के. अजीत जोसेफ-कार्यकारी निदेशक, NERCI ने विचार-विमर्श के दौरान रणनीतिक नेतृत्व प्रदान किया।

एनआरएससी/इसरो, ICAR-CMFRI, CSIR-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (NIO-गोवा), नानसेन पर्यावरण अनुसंधान केंद्र भारत (NERCI-कोच्चि), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS-हैदराबाद), कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (CUSAT), भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (IISER-कोलकाता), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT-भुवनेश्वर), अन्नामलाई विश्वविद्यालय, आंध्र विश्वविद्यालय और पांडिचेरी विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों और शोध वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

The event was graced by Dr. Shubha Sathyendranath, Chair of the International Ocean Colour Coordinating Group (IOCCG) and renowned expert from Plymouth Marine Laboratory, UK, whose guidance shaped future research directions. Dr. Prakash Chauhan, Director, NRSC, and Dr. N. Aparna, Deputy Director, NRSC, Dr. J. Jayashankar, Head, FRAEED, CMFRI, Dr. K. Vinod, Head, Mandapam regional center, Dr. K. Ajith Joseph, Executive Director, NERCI provided strategic leadership throughout the deliberations.

Experts and research scientists participated from NRSC/ISRO, ICAR-CMFRI, CSIR-National Institute of Oceanography (NIO-Goa), Nansen Environmental Research Centre India (NERCI-Kochi), Indian National Centre for Ocean Information Services (INCOIS-Hyderabad), Cochin University of Science and Technology (CUSAT), Indian Institute of Science Education and Research (IISER-Kolkata), Indian Institute of Technology (IIT-Bhubaneswar), Annamalai University, Andhra University, and Pondicherry University.



चित्र 1: प्रतिनिधियों की समूह तस्वीर

Figure 1: Group Photograph of the delegates



चित्र 2: सीएमएफआरआई मंडपम परिसर में समुद्री हैचरी सुविधा का दौरा

Figure 2: Visit to the Marine Hatchery Facility in CMFRI Mandapam Campus